सोमवार
32 साल से देहरादून का विश्वास
21 अक्टूबर 2024
● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 251
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

साइबर क्राइम व नशा तस्करी बड़ी चुनौती:धामी

❑पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि, पुलिस को आधुनिक तकनीक से लैस करने की जरूरत

विशेष संवाददाता

देहरादून। अपराधों की प्रवृत्ति में हो रहे बदलाव के साथ पुलिस की कार्यप्रणाली में बदलाव और पुलिस का आधुनिक तकनीक से लैस होना बहुत जरूरी है। वर्तमान दौर में बढ़ते साइबर क्राइम और नशा तस्करी पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

यह बात आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति कार्यक्रम में परेड की सलामी लेने के बाद अपने संबोधन में कहीं। उन्होंने कहा कि राज्य की पुलिस सिर्फ कानून व्यवस्था को बनाए रखने तक ही सीमित नहीं है। प्राकृतिक आपदाओं से लेकर अन्य तमाम सामाजिक सुरक्षा के कामों में भी उसका असाधारण योगदान रहता है। राज्य में आने वाले सभी विशिष्ट लोगों की सुरक्षा से लेकर चार धाम यात्रियों व पर्यटकों की सुरक्षा में उसका महत्वपूर्ण योगदान रहता है। उत्तराखंड के लिए उनकी सेवाएं इसलिए भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि हमारी सीमाएं अन्य देशों के साथ जुड़ी हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के दौर में साइबर क्राइम और नशा सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। नशे से हमारे युवाओं और बच्चों का भविष्य चौपट हो रहा है जबकि साइबर क्राइम से पार पाना कड़ी चुनौती बना हुआ है। डिजिटल अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस को भी तमाम तरह के तकनीकी ज्ञान से लैस किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया है कि पुलिस ने महिला अपराधों में 90 फीसदी मामलों का अनावरण किया है तथा 65 फीसदी मामलों में अपराधियों को जेल भेजा गया है।

उन्होंने इसके साथ ही पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए किए जाने वाले कामों तथा उन्हें आवासीय सुविधा देने के बारे में भी जानकारी दी तथा कहा है कि हमारी सरकार पुलिस कर्मियों के कल्याण तथा कार्य क्षमता में सुधार के लिए कई तरह के प्रयास कर रही है जिससे पुलिस अपना काम और बेहतर तरीके से कर सके। इस अवसर पर डीजीपी सहित तमाम पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

एक नजर

खाद्य विभाग ने पकड़ा 200 किलो नकली मावा

●सैंपल भरे जांच को भेजे

विशेष संवाददाता

देहरादून। त्यौहारी सीजन में खाद्य सुरक्षा का सवाल और भी गंभीर हो जाता है। त्यौहारों में मांग बढ़ने और आपूर्ति कम होने के कारण मिलावट खोर भी मौके का भरपूर फायदा उठाते हैं। नकली और मिलावटी खाद्य पदार्थों की धर पकड़ के लिए खाद्य विभाग तथा पुलिस प्रशासन भी चौकन्ना रहता है। खाद्य विभाग की टीम को आज उस समय बड़ी कामयाबी मिली जब उसने हरिद्वार के रास्ते लाई जा रही मिलावटी मावे की एक बड़ी खेप को पकड़ लिया।

खाद्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उन्हे अपने गुप्त सूत्रों से हरिद्वार से नकली मावा लाये जाने की सूचना मिली थी। लोडर वाहन से लाये जाने वाले मावे की मात्रा 500 किलो बताई गई थी लेकिन खाद्य विभाग की टीम द्वारा जब आज सुबह इसे पकड़ा गया तो वाहन से 200 किलो ही मावा मिला। जिसे दून में सप्लाई किया जाना था। खाद्य विभाग द्वारा वाहन चालक से इस बाबत पूछताछ में यह भी पता चला कि इससे पूर्व कई जगह मावे की सप्लाई की गई है।

खाद्य विभाग की टीम अब यह पता लगाने में जुटी हुई है कि इस वाहन से पकड़े जाने से पूर्व कहां-कहां मावा सप्लाई किया गया और कितनी मात्रा में सप्लाई किया गया है। इसके साथ ही खाद्य विभाग की टीम इस बात का भी पता लगाने में जुटी है कि इस मावे का कहां उत्पादन हो रहा है तथा इसके पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों से कई रास्तों से त्यौहारी सीजन में नकली मावा तथा अन्य दुग्ध निर्मित वस्तुओं की सप्लाई की जाती है। जिसका उपयोग मिठाइयां आदि बनाने में किया जाता है।

दून वैली मेल

संपादकीय

नफरत व भय की राजनीति क्यों?

इन दिनों उत्तराखंड राज्य में लव जिहाद, लैंड जिहाद तथा थूक जिहाद जैसे मुद्दे चर्चाओं के केंद्र में है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इन मुद्दों को लेकर खासे संजीदा दिखाई दे रहे है। उनके द्वारा अपने सभी वक्तव्यों में इनका अनिवार्य रूप से जिक्र तो किया ही जा रहा है साथ ही प्रदेश के डेमोग्राफिक चेंज को रोकने के लिए प्रतिबद्धता भी जाहिर की जा रही है। इन मुद्दों को लेकर पहाड़ में जिस तरह का जनाक्रोश देखा जा रहा है और स्थानीय लोग अन्य राज्यों के गैर हिंदुओं को राज्य से बाहर करने के लिए आंदोलन चला रहे हैं तथा गांव की सीमाओं पर उनके प्रवेश पर रोक लगाने के बोर्ड लगाए जा रहे हैं वह इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि पहाड़ की शांत वादियों में अब नफरत का जहर तेजी से फैलता जा रहा है। लैंड जिहाद को रोकने के नाम पर धार्मिक संरचनाओं पर बुलडोजर चलाये जाने का काम भी जारी है। राज्य सरकार का कहना है कि इस तरह की गतिविधियों को कतई भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह सिर्फ सरकार का पक्ष है लेकिन दूसरा पक्ष विपक्ष का भी है जिसकी सोच है कि भाजपा के नेताओं द्वारा एक सोची-समझी राजनीतिक रणनीति के तहत इन तमाम मुद्दों को हवा देने का काम किया जा रहा है। समाज में नफरत और भय का माहौल इसलिए तैयार किया जा रहा है जिससे वोटो का ध्रुवीकरण हो सके। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का कहना है कि भाजपा के नेता केदारनाथ की संभावित हार से डरे हुए हैं। इसलिए जनता में भय और डर तथा नफरत का माहौल बना रहे हैं। उनका कहना है कि भाजपा कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाती है लेकिन अब यह बात पूरा देश और प्रदेश जान चुका है कि भाजपा किस तरह जाति-धर्म के आधार पर लड़ाने का काम करती है और डराने का काम करती है। हमने लोकसभा चुनाव में देखा था जब कांग्रेस के बारे में इन्होंने खूब प्रचार किया कि कांग्रेस सत्ता में आई तो तुम्हारी एक भैंस छीन लेगी तुम्हारे जेवर छीन लेगी, तुम्हारा आरक्षण छीन कर अधिक बच्चे पैदा करने वालों को दे देगी। सवाल यह है कि उत्तराखंड में आजकल जिन मुद्दों की चर्चा है वह कोई मुद्दे है ही नहीं या फिर वास्तव में इन मुद्दों के कारण प्रदेश का सामाजिक परिवेश प्रभावित हो रहा है। दूसरा सवाल यह है कि क्या इन मुद्दों के कारण प्रदेश में नफरत का माहौल तैयार हो रहा है। कई लोगों का मानना है कि अगर पहाड़ पर ऐसा कुछ भी हो रहा है चाहे वह खाद्य पदार्थों में थूकने की बात हो या महिलाओं से छेड़छाड़ की यह सरकार और प्रशासन की ही एक बड़ी विफलता है। हरीश रावत का साफ कहना है कि ऐसा कोई अपराधिक काम करने वाला व्यक्ति चाहे वह किसी भी धर्म संप्रदाय का हो उसके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्यवाही होनी चाहिए। अपराधियों में पुलिस-प्रशासन का अगर कोई खौफ रहा होता तो इस तरह की वारदातें नहीं हो सकती थी। चुनावी जीत और हार से ज्यादा जरूरी है प्रदेश में सांप्रदायिक सद्भाव और आपसी भाईचारे की भावना का बना रहना। कोई राजनीतिक दल या नेता छद्म मुद्दों और समाज में डर का माहौल पैदा कर चुनाव भले ही जीत सकता हो उससे समाज और देश या प्रदेश का कुछ भी भला नहीं हो सकता है यह एक अटल सत्य है।

महाराज पहले खुद की करे थर्ड पार्टी जांचः मर्तोलिया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पंचायती राज मंत्री सतपाल महाराज द्वारा ग्राम पंचायतों के थर्ड पार्टी जांच कराए जाने की बयान पर उत्तराखंड में उबाल आ गया है। उत्तराखंड त्रिस्तरी पंचायत संगठन ने विभागीय मंत्री को सलाह दी है कि पहले वे स्वंय की थर्ड पार्टी जांच कर कर स्वयं को ईमानदार घोषित करवा ले। उसके बाद पंचायत की तरफ इशारा करें। कहा कि पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर पंचायतों को जांच के नाम पर तंग किया गया तो महाराज को राज्य में जहां भी जाएंगे वहीं काला झंडा दिखाया जाएगा।

पंचायती राज मंत्री के द्वारा कुछ दिनों पूर्व मीडिया में यह बयान दिया गया था कि ग्राम पंचायतों की बहुत शिकायत आ रही है। इसलिए इनकी थर्ड पार्टी जांच करवाई जाएगी। इसके लिए जांच एजेंसी का चयन किया जा रहा है।

इस बयान के बाद उत्तराखंड के 13 जनपदों में त्रिस्तरीय पंचायतों के सदस्य विभागीय मंत्री से नाराज है। संगठन के राज्य संयोजक जगत मर्तोलिया ने आज यहां जारी बयान में कहा कि महाराज

पंचायतों की जांच के बयान पर भड़के पंचायत सदस्य

जब से विधायक और मंत्री बने है। पहले वह अपने विधायक निधि से किए गए कार्यों की थर्ड पार्टी जांच करके देख ले। उन्होंने दावा किया कि जांच हुई तो चौंकाने वाले मामले सामने आ जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इसी के साथ महाराज को अपने सभी मंत्रालयों के साथ-साथ मानव सेवा समिति के सभी मठ तथा आश्रमों को भी जांच करा ले। उन्होंने कहा कि जांच का कार्य हाईकोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इन जांचों में अगर महाराज ईमानदार घोषित हो जाएंगे तो पंचायतें में खुद ही अपनी थर्ड पार्टी जांच करने के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव दे देगीं। उन्होंने महाराज को नसीहत दिया कि जब अपने घर कांच के हो तो दूसरे के घर पत्थर नहीं मारते है। उन्होंने कहा कि महाराज के पुत्र द्वारा टिहरी डेम में जो ठेका डाला गया था, उसकी भी जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि मठ मंदिर से लेकर राज्य की सत्ता तक की चाहत रखने वाले महाराज को केवल पंचायतें ही थर्ड पार्टी जांच के लिए दिख रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के भीतर सभी की थर्ड पार्टी जांच होनी चाहिए। उसके बाद पंचायत का भी नंबर आए। केवल पंचायतों को ही निशाने में लाया जाएगा तो इस बात का जोरदार विरोध सड़कों पर होगा। महाराज जहां भी जाएंगे उनको काले झंडे दिखाए जाएंगे। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री से महाराज द्वारा की जा रही तानाशाही पर रोक लगाने की मांग भी उठाई।

पांच सूत्री मांगों को लेकर लघु व्यापारी 23 को करेंगे नगर निगम का घेराव

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपडा ने कहा कि अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर 23 अक्टूबर को नगर निगम का घेराव किया जायेगा।

आज यहां फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के एकमात्र संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अध्यक्षता में प्रथम स्मार्ट वेंडिंग जोन के प्रांगण में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का संचालन जिला अध्यक्ष राजकुमार ने किया बैठक में निर्णय लिया गया आगामी 23 अक्टूबर को हरिद्वार नगर निगम क्षेत्र में चिन्हित वेंडिंग जोन व स्थापित किए गए चार वेंडिंग जोन की मूलभूत सुविधाओं के साथ नगर निगम का घेराव कर अपनी पांच सूत्रीय मांगों को दोहराया जाएगा। संजय चोपड़ा ने

कहा हरिद्वार नगर निगम प्रशासन की लापरवाही की वजह से नगर निगम क्षेत्र में रेडी पटरी लगाकर अपने परिवार की जीविका का संचालन कर रहे रेडी पटरी के लघु व्यापारियोंको केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है जो की चिंता का विषय है। उन्होंने कहा नगर आयुक्त द्वारा फेरी समिति की बैठक बुलाकर शीघ्र ही उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली, राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम, राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, हर की पौड़ी, पंतदीप पार्किंग इत्यादि क्षेत्रों में छोटे-छोटे वेंडिंग जोन स्थापित कर पूर्व वर्ष 2018 के सभी पंजीकृत रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को व्यवस्थित व स्थापित किया जाना न्याय संगत होगा। प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में अशोक कुमार, मोहनलाल, बालवीर गुप्ता, वीरेंद्र, प्रभात, राम बहादुर, लालचंद, सचिन बिष्ट, श्याम प्रसाद, चंदन रावत, ओम प्रकाश, पंडित मनीष शर्मा, विजय गुप्ता आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

गोल्डन फोरेस्ट की भूमि पर कब्जा करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। गोल्डन फोरेस्ट की भूमि पर कब्जा कर उसमें बिजली पानी के कनेक्शन लेने के मामले में पुलिस ने उपजिलाधिकारी के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुद्धोवाला निवासी श्रीमती कल्पना रानी ने उपजिलाधिकारी विकासनगर को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह भूमि सुद्धोवाला, तहसील विकासनगर की मालिक है तथा उसके द्वारा उक्त भूमि के सम्बन्ध में सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी विकासनगर, वाद सरकार बनाम गोल्डन फोरेस्ट जमीदारी विनाश अधिनियम वाद विचाराधीन है तथा इसके अतिरिक्त उच्चतम न्यायालय भारत द्वारा अपने आदेश में गोल्डन फोरेस्ट से सम्बन्धित भूमि को क्रय विक्रय ना करने व खुर्द बुर्द ना करने हेतु आदेश पारित किये गये है जोकि वर्तमान तक प्रभावी है।

चन्द्र किशोर नैथानी पुत्र हंसराज नैथानी निवासी-राजीव जुयाल मार्ग, वसुन्धरा विहार माजरा देहरादून द्वारा उक्त भूमि जोकि चकराता मार्ग से लगती हुयी है पर अवैधानिक रुप से टीन का खोका रखकर उस पर अवैधानिक रुप से कब्जे का प्रयास किया जा रहा है। चन्द्र किशोर नैथानी के द्वारा विद्युत विभाग एवं जल संयोजन विभाग के कर्मचारियो से मिलकर उक्त भूमि पर विद्युत कनेक्शन एंव जल संयोजन अवैधानिक रुप से लगवा लिया गया जोकि उच्चतम न्यायालय भारत एंव गोल्डन फोरेस्ट से सम्बन्धित राज्य सरकार द्वारा पारित आदेशो का स्पष्ट उल्लंघन है जिसमें विद्युत विभाग धूलकोट एंव जल संयोजन सहसपुर के कर्मचारी भी सम्मलित है। उपजिलाधिकारी के आदेश पर प्रेमनगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पंचायतों के विकास कार्यो की जांच कराना सरकार का सराहनीय कदमः नेगी

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि पंचायतों के विकास कार्यों की जांच कराना सरकार का सराहनीय कदम है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पंचायतों में हुए विकास कार्यों की जांच कराऐ जाने की दिशा में विशेष तौर पर पंचायती राज मंत्री सतपाल महाराज का आभार व्यक्त किया है और सरकार को भी शाबाशी दी है। नेगी ने कहा कि बहुत व्यापक पैमाने पर विकास कार्यों के नाम पर पंचायतों में यथा ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत के स्तर से कराए गए कार्यों में धरातल पर बामुश्किल 30-40

फीसदी धनराशि में ही सारा काम निपटा दिया गया। उक्त कार्यों में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की कमीशन खोरी ने प्रदेश व केंद्र सरकार के बजट को ठिकाने लगा दिया द्यअगर आंकड़ों की बात करें तो लगभग 15-20 फीसदी कार्य धरातल पर उतरे ही नहीं तथा उनका पैसा अधिकारियों से मिली भगत कर डकार लिया गया द्य अधिकांश कामों में एक ही कार्य को अलग-अलग नाम से जैसे ए के घर से बी के घर तक सड़क, फिर इस सड़क को बी के घर से ए के घर तक की सड़क का नाम देकर बजट ठिकाने लगाया गयाद्यइसी प्रकार विधायक निधि में भी बहुत बड़ा खेल किया जा रहा है, जिसको पूछने वाला कोई नहीं है क्योंकि इनको सीधे तौर पर विधायकों का संरक्षण प्राप्त है। अधिकारी विधायकों से डर के कारण एवं मिलीभगत के चलते आज नहीं उठा पाते। मोर्चा सरकार से मांग करता है कि बड़ा कदम उठाते हुए विधायक निधि से हुए विकास कार्यों की भी जांच करायें ,जिससे सबके साथ इंसाफ हो सके।

अपने चेहरे के आकार के मुताबिक करें मेकअप, दिखेंगी सुंदर और अकर्षक

मेकअप के जरिए हम अपनी सुंदरता को निखार सकते हैं। हालांकि, कई दफा ऐसा होता है की मेकअप हमारे चेहरे पर अच्छा नहीं लगता हैइसका कारण हो सकता है अपने चेहरे के अकार के मुताबिक मेकअप न करना। सही तकनीक और उत्पादों के जरिए आप अपने चेहरे के फीचर्स को और भी खूबसूरत दिखा सकती हैं।आज के मेकअप टिप्स में जानते हैं कि आप आपने चेहरे के अकार के मुताबिक सही मेकअप कैसे कर सकती हैं।

लंबे चेहरे का मेकअप

लंबे चेहरे वाली महिलाओं को ऐसा मेकअप लगाना चाहिए, जिससे उनका चेहरा चौड़ा दिखाई दे सके। ऐसा करने के लिए आप आपने माथे के कोनों और जॉलाइन पर कंटूर कर सकती हैं।अपने गालों को गोल दिखाने के लिए चीकबोन्स पर ब्लश लगाएं और ठोड़ी के बीच में हाइलाइटर लगाएं। साथ ही आप अपने गालों पर भी हाइलाइटर लगा सकते हैं।आंखों का मेकअप करने के लिए ये 5 सरल तरीके अपनाएं।

गोल चेहरे का मेकअप

गोल चेहरे वाली महिलाओं को चेहरे को पतला दिखाने वाला मेकअप लगाना चाहिए। ऐसा करने के लिए अपने गालों, माथे, नाक और ठोड़ी पर अपनी रंगत से एक शेड गहरे रंग के फाउंडेशन या ब्रोंजर से कंटूर करें।अब अपने कंटूर किए हुए हिस्सों के आस-पास कंसीलर लगाएं, जिससे चेहरा लंबा दिखेगा। अपने गालों पर ब्लश लगाएं और उसे कान के पास तक न फैलाएं।साथ ही आप अपने होंठों पर लिप-लाइनर लगाने के बाद ही लिपस्टिक इस्तेमाल करें।

दिल के आकार के चेहरे का मेकअप

जिन महिलाओं का माथा चौड़ा होता है और ठोड़ी पतली होती है, उनका चेहरा दिल के आकार का होता हैऐसे चेहरे वाली महिलाओं को कंटूर के जरिए माथे को छोटा दिखाने का प्रयास करना चाहिए। उन्हें जॉलाइन और चीकबोन्स को हाइलाइट करना चाहिए।दिल के आकार वाले चेहरे पर ष्ट शेप का ब्लश लगाएं, जिससे गाल भरे हुए दिखाई देंगे। अपने चेहरे को एकसमान दिखाने के लिए ऊपरी होंठ की तुलना में निचले होंठ पर अधिक लिप लाइनर लगाएं।

चौकोर चेहरे का मेकअप

चौकोर चेहरे वाली महिलाओं के फीचर्स बेहद शार्प होते हैं और उनका माथा भी चौड़ा होता है। ऐसे चेहरे को गोल दिखाने के लिए अपने माथे के किनारों पर और गालों व जबड़े के नीचे कंटूर करें।इसके अलावा, अपने चेहरे के प्राकृतिक फीचर्स को निखारने के लिए चीकबोन्स, ठोड़ी और नाक पर हाइलाइटर भी लगाएं।चौकोर आकार के चेहरे पर ब्रश को ऊपर की ओर फैलते हुए ब्लश लगाएं।

अंडाकार चेहरे का मेकअप

अंडाकार चेहरे वाली महिलाओं का चेहरा चारों तरफ से एकसमान होता है और उनकी जॉलाइन गोल होती हैइस तरह के चेहरे वाली महिलाओं को हल्की कंटूरिंग करनी चाहिए और मेकअप के जरिए अपने प्राकृतिक फीचर्स को निखारने पर ध्यान देना चाहिए।अपने गालों के पास सी शेप में हाइलाइटर लगाएं और नाक से 2 उंगलियों की दूरी पर ब्लश लगाएं। ध्यान रहे की आप जॉलाइन के ज्यादा पास ब्लश न लगाएं, वरना आपकी ठोड़ी अधिक गोल दिखाई देगी।(आरएनएस)

बार-बार हो रही है खांसी तो अपनाए यह घरेलू उपाय

सर्दी-खांसी हो जाए तो लोग परेशान हो जाते हैं और घरेलु उपाय खोजने लगते हैं। अब आज हम आपको कुछ घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं जिन्हे अपनाकर आप खांसी से छुटकारा पा सकते हैं। आइए बताते हैं।

खांसी के कारण-

वायरल संक्रमण के कारण

सर्दी या फ्लू के कारण

प्रदूषण और धूल-मिट्टी से युक्त वातावरण के कारण।

अधिक धूम्रपान करने के कारण।

टीबी या दमा रोग होने के कारण।

खांसी के घरेलू उपाय-

सूखी खांसी में शहद बहुत ही लाभदायक होता है। एक चम्मच शहद को गर्म दूध में मिलाकर पिएं।

तुलसी की पत्तियों को पानी में उबालकर काढ़ा बनाकर पिएं। इससे आपको राहत मिलेगी।

तुलसी की पत्तियों का रस, एवं अदरक के रस के साथ मिलाकर शहद के साथ खाएं।

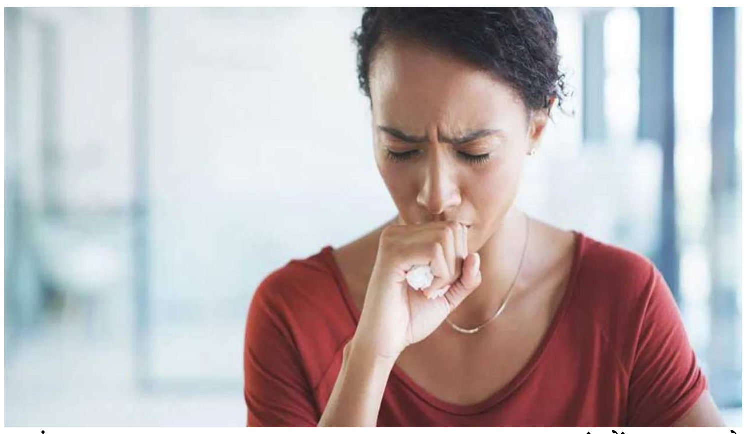

खांसी के लिए एक चम्मच अदरक के रस को शहद के साथ चाट लें।

आधा चम्मच प्याज का रस, और एक चम्मच शहद मिलाकर दिन में दो बार लेने से खांसी में आराम मिलता है।

गिलोय के रस को रोज सुबह-शाम खाली पेट पीने से पुरानी खांसी भी ठीक हो जाती है।

अनार के छिलकों को सुखा लें। उसके बाद एक-एक टुकड़ा मुंह में रखकर चूसते रहें। क्योंकि इससे सूखी खांसी में बहुत लाभ मिलता है।

कफ वाली खांसी के लिए एक चम्मच सरसों के बीजों को एक गिलास गर्म पानी में उबाल लें। उसके बाद अच्छी प्रकार उबल जाने पर पानी को पिएं। इससे जमा हुआ कफ बाहर निकलने लगता है। दरअसल सरसों के बीज में मौजूद सल्फर जमे हुए कफ को बाहर निकालने में मदद करता है।

डिजिटल या ऑनलाइन मार्केटिंग में हैं शानदार अवसर

आज हर जगह डिजिटलाइजेशन हो रहा है। ऐसे में अगर आप अच्छा पैसा कमाना चाहते हैं तो डिजिटल या ऑनलाइन मार्केटिंग के जरिये लाखों की कमाई कर सकते है। अगर आप इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो इन बातों को जानें।

डिजिटल मार्केटिंग इंटरनेट, कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिये की जाने वाली मार्केटिंग है। इसे ऑनलाइन मार्केटिंग भी कह सकते हैं। डिजिटल मार्केटिंग में सोशल मीडिया, मोबाइल, ईमेल, सर्च इंजिन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) आदि को टूल की तरह इस्तेमाल किया जाता है।

आज बड़ी से बड़ी कंपनी में डिजिटल मार्केटिंग स्पेशलिस्ट की बड़ी अहमियत होती है। ये डिजिटल मार्केटिंग टीम के अहम सदस्य होते हैं। डिजिटल मार्केटिंग मटेरियल को तैयार करने और उसे मेंटेन रखने की जिम्मेदारी इन्हीं पर होती है। ये कंपनी के लिए वेब बैनर ऐड, ईमेल्स और वेबसाइट्स बनाकर उनकी ब्रांडिंग करते हैं। इंटरनेट और डिजिटल टेक्नोलॉजी के लिए मार्केटिंग कैंपेन तैयार करते हैं, जिसे मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के जरिये लोगों तक पहुंचाया जाता है।

डिजिटल मार्केटिंग का दायरा बहुत बड़ा है। यहां आप इन पदों पर नौकरी पा सकते हैंरू डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, कंटेंट मार्केटिंग मैनेजर, सोशल मीडिया मार्केटिंग स्पेशलिस्ट, वेब डिजाइनर, ऐप डेवलपर, कंटेंट राइटर, सर्च इंजिन मार्केटर, इनबाउंड मार्केटिंग मैनेजर, एसईओ एग्जीक्यूटिव, कनवर्जन रेट ऑप्टिमाइजर आदिइस फील्ड में काम करने के लिए ग्रेजुएट होना आवश्यक है। जो छात्र मार्केटिंग, कम्युनिकेशन या फिर ग्राफिक्स डिजाइन में ग्रेजुएट हैं, वे डिजिटल मार्केटिंग में करियर बना सकते हैं।

यहां वेब डिजाइनर, ऐप डिजाइनर और सोशल मीडिया मैनेजमेंट के जानकारों के लिए काफी अवसर हैं। इसके अलावा, डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी और ई-कॉमर्स कंपनियों में भी ढेर सारे अवसर हैं। इसके साथ ही वहीं देशी-विदेशी ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट्स, सर्विस प्रोवाइडिंग कंपनीज, रिटेल कंपनीज आदि भी अनेक अवसर उपलब्ध्य करा रही हैं। आप अपनी रुचि को देखते हुए आगे बढ़ सकते हैं और मोटी कमाई कर सकते हैं।

टमाटर के रोजोना उपयोग से बदल जाएगे आपके चेहरे का रंगत

आप जब कभी भी अपने चेहरे को पर ब्लीचिंग कराते हैं तो आपका चेहरा चमकने लगता हैं, इसका प्रमुख कारण बाजार का यूज करा हुआ प्रोडक्ट हैं, लेकिन इस ब्लीचिंग से आपके चेहरे को वो चमक नहीं मिल पाती हैं, जो आपक चाहते हैं। तो आप क्यों नहीं एक बार नेचुरल ब्लीच अपनाते, यकिन मानिए आपका चेहरा दमक उठेगा। आब सोच रहे होंगे कि यह कैसे बनेगा तो हम आपके लिए लाए हैं नेचुरल ब्लीच, जिसे आप घर पर बनाकर लगा सकते हैं। हम साब मानते है कि एक टमाटर एंजाइम से भरपूर होता है और इस चेहरे पर इसेत्माल करने से बहुत फायदा होता हैं, टमाटर में मौजूद एंजाइम जो एक्सफोलिएटर का काम करते हैं। वे मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में मदद करते हैं। त्वचा के तेल को कम करने और त्वचा की देखभाल के लिए टमाटर बहुत फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा या मुंहासे हैं तो टमाटर आपकी त्वचा के लिए अच्छा है।

घर का बना टमाटर ब्लीच

-टमाटर

-हल्दी

-ग्लिसरीन

टमाटर ब्लीच पकाने की विधि

-टमाटर को धोकर, आधा काट कर पल्प निकाल लें.

-अगर चमचे से मसलना मुश्किल हो तो मिक्सर में पीस लें.

-जिस बर्तन में टमाटर का गूदा निकाला जाता है उसमें एक चौथाई चम्मच हल्दी मिलाएं.

-एक चम्मच ग्लिसरीन को अच्छी तरह मिला लें.

-इन तीनों चीजों को अच्छी तरह मिला लें और एक महीन पानी जैसा ब्लीच बन जाएगा.

ब्लीच का उपयोग

-इस ब्लीच को लगाने से पहले अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

-इससे चेहरे से अतिरिक्त धूल और अतिरिक्त तेल निकल जाता है।

-त्वचा के रोमछिद्रों को साफ करें और ब्लीच का अच्छा असर हो सकता है।

-अब इस ब्लीच को चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगाएं और फिर धो लें।

यह होममेड नेचुरल ब्लीच आपकी त्वचा को सिर्फ 20 मिनट में चमका देगा। इस ब्लीच का इस्तेमाल आप हफ्ते में तीन बार त्वचा को चमकदार और साफ करने के लिए कर सकते हैं।

अगर आप भी रोजाना लगाती हैं लिपस्टिक, तो जानें इसके नुकसान

इन दिनों स्कूल से लेकर ऑफिस जाने वाली हर महिला लिपस्टिक का इस्तेमाल करती है। लिपस्टिक में अलग अलग रंग मौजूद होते है। वहीं काफी सारी लड़कियां तो लिपस्टिक का इस्तेमाल अपने कपड़े के रंग के साथ मैच करती है। इन दिनों लड़कियां बिना लिपस्टिक के तो घर से बाहर जाने के बारे में सोच ही नहीं सकती है। वहीं काफी सारी महिलाओं का पहला प्यार लिपस्टिक होती है। लेकिन क्या आप जानते है कि अगर आप रोजाना लिपस्टिक का इस्तेमाल करती है, तो ये आपके लिए कितना ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। आइए आपको इसके नुकसान के बारे में बताते है।

होंठों का नेचुरल रंग खराब

हमेशा लिपस्टिक लगाए रखने से होंठों का जो नेचुरल रंग होत है वो काफी ज्यादा प्रभावित होता है। इसका जो कारण है वो है लिपस्टिक में अलग अलग टाइप के केमिकल्स होते हैं। जो कि होठों के नेचुरल रंग को काफी ज्यादा प्रभावित करता है।

होठों में रूखापन

अगर आप रोजाना लिपस्टिक का इस्तेमाल करती हैं, तो इससे आपके होठों में रूखापन आ जाता है। वहीं लिपस्टिक में मौजूद जो केमिकल्स होते है। उसकी वजह से होठों की जो नमी होती है, वो चली जाती है और आपके होंठ सूख जाते है और फट जाते हैं।

क्वालिटी का ध्यान रखें

आप जब भी लिपस्टिक लगाएं तो कोशिश करें कि आप हमेशा बेस्ट क्वालिटी की लिपस्टिक ही लगाएं। अगर आप अच्छी क्वालिटी की लिपस्टिक नहीं लगाएंगे तो इससे आपको एलर्जी भी हो सकती है।

लिपस्टिक को चाटना खतरनाक

काफी सारी लड़कियों की आदत होती है कि वो अपनी लिपस्टिक को चाट जाती हैं। जिसकी वजह से उनके शरीर में काफी सारे केमिकल्स चले जाते हैं। जो कि आपके शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

काले होंठ

अगर आप रोजाना लिपस्टिक लगाती है और उसके बाद लगाना बंद कर देते है, तो इससे आपके होंठों पर काले धब्बे पडने लगते हैं। जो कि काफी ज्यादा खराब लगते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

किस तरह के खाने से सबसे ज्यादा बढ़ता है मोटापा?

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने मोटापा को एक महामारी की तरह घोषित किया है। यह कोई भी उम्र, जाति या लिंग नहीं देखती बल्कि यह किसी को भी हो सकती है। कोविड महामारी के बाद से इस गंभीर बीमारी ने बच्चों को काफी ज्यादा प्रभावित किया है। इसलिए इससे बच्चों और नौजवानों को बचकर रहने की ज्यादा जरूरत है। मोटापा के कारण इंसान की इम्युनिटी कमजोर होती है। साथ ही साथ ऑर्गन फेल होने की संभावना भी बढ़ जाती है। आज हम बात करेंगे किस तरह के खाने से मोटापा बढ़ता है।

मोटापा किसे कहते हैं

मोटापे को आमतौर पर शरीर में बहुत ज्यादा चर्बी होने के रूप में कहा जाता है। वयस्कों में मोटापे के लिए 30 या उससे ज्यादा का बीएमआई सामान्य मानक है। मोटापे से गंभीर चिकित्सा स्थितियों का जोखिम बढ़ जाता है। उपचार में आपके खाने-पीने की आदतों में बदलाव, शारीरिक गतिविधि और मानसिक स्वास्थ्य सहायता शामिल है। जिस खाने में कैलोरी ज्यादा होती है जैसे जंक फूड, जिसे फैट काफी ज्यादा होता है उसे खाने से मोटापा बढ़ता है।

मोटापे का सबसे बड़ा कारण

पैकेज्ड फूड्स का ज्यादा सेवन

बचपन में मोटापा होना कई तरह की बीमारियों का कारण बन सकता है। इसकी वजह से कम उम्र में ही डायबिटीज, हार्ट डिजीज और सांस की समस्या हो सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, भारत के बच्चों का खानपान बिगड़ रहा है, वो बाहर का ज्यादातर खाना खाते हैं। पैकेज्ड फूड्स का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, जो उन्हें मोटा बना रही है। अध्ययनों से पता चला है कि भारत के बच्चों के लिए कई पैकेज्ड फूड्स में चीनी की मात्रा पश्चिमी देशों की तुलना में ज्यादा होती है, जो बच्चों में मोटापे का प्रमुख कारण बन रही है।

जंक फूड्स

आजकल बिजी लाइफस्टाइल की वजह से कई पैरेंट्स अपने बच्चों को जंक फूड्स और पैकेज्ड फूड खिला रहे हैं, जिसकी वजह से उन्हें संतुलित भोजन नहीं मिल पाता और पौष्टिकता की कमी से उनमें मोटापा बढ़ रहा है।

बच्चों में मोटापा बढने से क्या खतरा

कई बीमारियां हो सकती हैं

मेंटल हेल्थ प्रभावित हो सकता है

भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है

अतिरिक्त वजन बढ़ सकता है

मोटापे की वजह से उनका मजाक बनाया जा सकता है, जिससे डिप्रेशन और सेल्फ कॉन्फिडेंस गिरता है

बच्चों को मोटापे से बचाने क्या करें

1। पैकेज्ड और जंक फूड्स से बचाएं

2। खाने में जरूरी विटामिन, मिनरल्स और फाइबर दें।

3। हरी सब्जियां और ताजे फल खिलाएं।

4। घर पर बना खाना ही बच्चों को खिलाएं।

5। दिन में ज्यादा से ज्यादा पाी पीने के लिए प्रोत्साहित करें

6। कोल्ड ड्रिंक्स या दूसरी मीठी चीजें खाने से बचाएं।बचपन में मोटापा होना कई तरह की बीमारियों का कारण बन सकता है। इसकी वजह से कम उम्र में ही डायबिटीज, हार्ट डिजीज और सांस की समस्या हो सकती है। मोटापे की वजह से बच्चों में डिप्रेशन भी बढ़ सकता है।

शब्द सामर्थ्य - 103

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

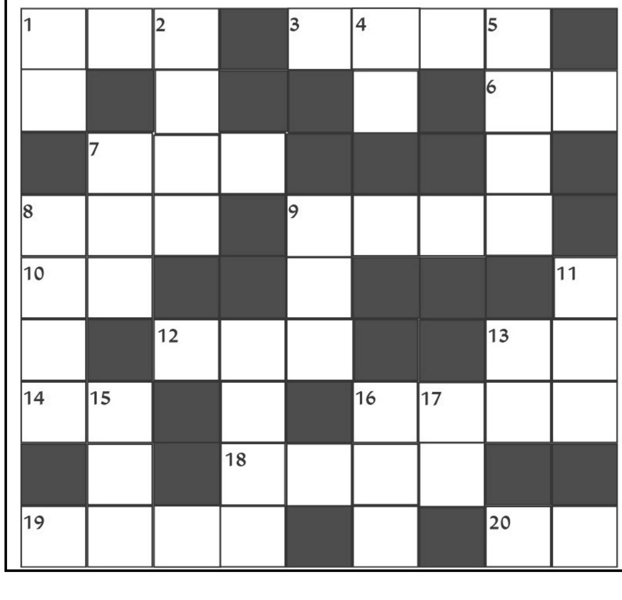

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 102 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

फवाद खान और वाणी कपूर की फिल्म की लंदन में शूटिंग शुरू

पाकिस्तानी स्टार फवाद खान और भारतीय अभिनेत्री वाणी कपूर फिलहाल लंदन में अपनी अपकमिंग रोमांटिक कॉमेडी फिल्म अबीर गुलाल की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग लंदन के सुरम्य में शुरू हुई है। इसकी घोषणा प्रोडक्शन हाउस इंडियन स्टोरीज़ द्वारा की गई। फिल्म की निर्देशक आरती एस बागड़ी ने कहा

कि यह फिल्म प्यार के बारे में है। बागड़ी ने कहा फिल्म दो व्यक्तियों की यात्रा पर आधारित है जिसमें अनजाने में दोनों एक-दूसरे की मदद करते हैं। इस दौरान दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो जाता है।

विवेक बी अग्रवाल, अवंतिका हरि और राकेश सिप्पी द्वारा निर्मित यह प्रोजेक्ट भरपूर मनोरंजन का वादा करती है।

निर्माताओं ने कहा, फवाद का एक बड़ा प्रशंसक वर्ग है। हम उम्मीद करते हैं कि उनके प्रशंसक इस फिल्म को पूरे दिल से पसंद करेंगे।

उन्होंने कहा, उम्मीद है कि फवाद और वाणी के बीच की केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आएगी।

फिल्म की शूटिंग अक्टूबर और नवंबर में यूके में की जाएगी। फिल्म निर्माता ने कहा है कि एक प्रमुख बॉलीवुड संगीतकार ने इस फिल्म के लिए गाने के 6 ट्रैक बनाए हैं।

पाकिस्तान के सबसे बड़े सितारों में से एक फवाद ने शशांक घोष की रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म खूबसूरत में सोनम कपूर के साथ साल 2014 में हिंदी सिनेमा के पर्दे पर डेब्यू किया था। यह फिल्म 1980 में बनी इसी टाइटल की फिल्म की कहानी पर आधारित थी। इसमें किरण खेर, रत्ना पाठक शाह और आमिर रज़ा हुसैन जैसे नाम भी शामिल थे।

इसके बाद उन्हें शकुन बत्रा की 2016 की पारिवारिक ड्रामा कपूर एंड संस में आलिया भट्ट और सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ स्क्रीन साझा करते देखा गया। बॉलीवुड में उनकी आखिरी बड़ी फिल्म करण जौहर की ऐ दिल है मुश्किल थी, जिसमें वह रणबीर कपूर और अनुष्का शर्मा के साथ नजर आए थे। वहीं वाणी को आखिरी बार अक्षय कुमार के साथ फिल्म खेल खेल में में देखा गया था।

प्रभास के प्रशंसकों के लिए खुशखबरी, संदीप वांगा रेड्डी की फिल्म स्पिरिट पर नया अपडेट

पैन इंडिया स्टार प्रभास की हर एक फिल्म का उनके प्रशंसक बेसब्री से इंतजार करते हैं। प्रशंसक प्रभास की हर एक फिल्म को लेकर जानकारी प्राप्त करते रहते हैं। कल्कि 2898 एडी की आपार सफलता के बाद प्रभास की आगामी फिल्म स्पिरिट को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। इस जानकारी से प्रभास के प्रशंसक बेहद खुश होने वाले हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म स्पिरिट में प्रभास डबल रोल में नजर आएंगे। प्रभास एक पुलिस अधिकारी के रूप में दिखेंगे, जबकि दूसरी भूमिका में वे मुख्य विलेन का किरदार निभाएंगे। यानी की प्रभास एक ही फिल्म में हीरो और खलनायक का रोल निभाते नजर आएंगे। प्रभास को डबल रोल में देखना उनके प्रशंसकों के लिए काफी रोमांचक और अनोखा अनुभव रहेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निगेटिव रोल में प्रभास की एंट्री फिल्म के इंटरवल के बाद होगी, जो कि फिल्म में एक महत्वपूर्ण मोड़ की शुरुआत को संकेत देगी।

एनिमल फिल्म से प्रसिद्धी हासिल कर चुके निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा को उनके बेहतरीन निर्देशन के लिए जाना जाता है। वहीं, प्रभास को निगेटिव अवतार में देखना निश्चित रूप से दर्शकों के लिए एक नया अनुभव होगा। प्रभास और संदीप के प्रोजेक्ट स्पिरिट को लेकर यही अनुमान लगाया जा सकता है कि यह एक यादगार फिल्म होगी। हालांकि, प्रभास के डबल रोल को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इस जानकारी ने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर और अधिक जिज्ञासा पैदा कर दी है। प्रभास का दोहरी भूमिका में आना दर्शकों की उम्मीदों को और भी बढ़ाता है।

सोफी चौधरी थाई स्लिट गाउन मे दिखीं बेहद खूबसूरत

एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स से अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक अक्सर इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में पैपराजी ने एक इवेंट के दौरान एक्ट्रेस को स्पॉट किया। जहां उनका कातिलाना अंदाज और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस देखकर लोगों की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।

सोफी चौधरी का नाम मल्टीटेलेंटेड एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हैं। वो अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपनी फिटनेस और फैशन स्टेटमेंट्स को लेकर लाइमलाइट में रहती हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस को पैपराजी ने एक इवेंट के दौरान स्पॉट किया। इस दौरान वो बेहद ही किलर लुक में नजर आईं।

फोटोज में आप देख सकते हैं सोफी चौधरी ने ऑरेंज कलर का थाई स्लिट गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।

खुले बाल को कर्ली लुक में स्टाइल कर के और साथ ही मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो उनके हर एक लुक को फैंस फॉलो करते हैं। सोफी चौधरी की हर एक तस्वीर इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगती हैं।

सोफी चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनके ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है।

शनाया कपूर रख रहीं बॉलीवुड में कदम, विक्रांत मैसी के साथ जमेगी जोड़ी

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर ने भले ही अभी बॉलीवुड में एंट्री नहीं की, लेकिन वह अपनी खूबसूरती और स्टाइल को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं, वहीं हीरोइन बनने से पहले ही उनकी अच्छी-खसी फैन फॉलोइंग है।बहरहाल, उनसे जुड़ी अब जो खबर सामने आ रही है, उससे शनाया के प्रशंसकों का दिल बेशक खुश हो जाएगा।दरअसल, शनाया फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत कर रही हैं। इस फिल्म के हीरो विक्रांत मैसी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, शनाया का बॉलीवुड में काम करने का सपना पूरा होने जा रहा है। वह हिंदी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत कर रही हैं। 24 साल की शनाया फिल्म में एक थिएटर एक्ट्रेस का किरदार निभाने वाली हैं, वहीं विक्रांत इसमें एक नेत्रहीन संगीतकार की भूमिका में होंगे।इस फिल्म की कहानी भारत के लोकप्रिय लेखक रस्किन बॉन्ड की मशहूर लघु कहानी, द आइज हैव इट पर आधारित है।

ब्रोकन बट ब्युटीफुल और अपहरण जैसी वेब सीरीज बना चुके संतोष सिंह ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है।विक्रांत की फोरेंसिक बना चुकी मिनी फिल्म्स के बैनर तले यह फिल्म बन रही है।निर्माताओं ने फिल्म की लीड हीरोइन के लिए तारा सुतारिया, अलाया एफ और प्रतिभा रांटा से भी बातचीत की थी, लेकिन आखिरकार उन्होंने उन्हें शनाया को फिल्म के लिए चुना, जो पिछले 3 साल से अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म की राह देख रही हैं। अभिनय जगत में कदम रखने से पहले शनाया, जाह्नवी कपूर की फिल्म गुंजन सक्सेना-द कारगिल गर्ल से बतौर सहायक निर्देशक जुड़ चुकी हैं।इससे पहले वह अपनी मां महीप कपूर की नेटफ्लिक्स सीरीज फेबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स में मेहमान भूमिका में भी दिख चुकी हैं।वह करण जौहर की फिल्म बेधड़क से बॉलीवुड में कदम रखने वाली थी। इससे उनका पोस्टर भी सामने आ चुका था, लेकिन किसी वजह से फिल्म आगे नहीं बढ़ पाई।

हर नाकामी आपको कामयाबी की अहमियत बताती है

सुशील कुमार सिंह

वाशु भगनानी और जैकी भगनानी पर अनेक लोग उनको भुगतान नहीं करने के आरोप लगा रहे हैं। 'बड़े मियां छोटे मियां' को इस साल की सबसे बड़ी फ्लॉप माना गया है। यह इन्हीं पिता-पुत्र की फ़िल्म थी जो हिंदी की सबसे महंगी फ़िल्मों में गिनी जाती है। इसे बनाने पर 350 करोड़ रुपए खर्च हुए, मगर बॉक्स ऑफ़िस पर 100 करोड़ तक पहुंचने में इसका दम फूल गया। उसके बाद से ही भगनानी परिवार पर आरोपों का सिलसिला शुरू हो गया। निचले स्तर के वर्करों से लेकर इस फ़िल्म के निर्देशक अली अब्बास जफ़र तक ने कहा कि उनके पैसे नहीं चुकाए गए हैं।

परदे से उलझती ज़िंदगी

दिनेश विजन की 'स्त्री-2' अंधाधुंध नहीं चली होती तो हिंदी फ़िल्मों के डिस्ट्रीब्यूटरों और मल्टीप्लेक्स वालों में मुर्दनी सी छायी हुई थी। छिटपुट सफलताओं को छोड़ दें तो कई महीने से ज़्यादातर फिल्में फ़्लॉप हो रही थीं और हताशा बढ़ा रही थीं। अब स्थिति कुछ बदली है, मगर अभी भी, यानी 'स्त्री-2' की अप्रत्याशित कामयाबी के बावजूद 2024 का साल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में पिछले साल से बहुत पीछे है। अगले तीन महीनों में कई बड़ी फिल्में रिलीज़ होने को हैं जिनसे इसकी भरपायी की उम्मीद की जा रही है, लेकिन कौन जानता है कि वे आंकड़ों को सुधारेंगी या और बिगाड़ देंगी।

किसी उद्योग के वास्तविक हालात कभी भी उसके शीर्ष या ऊपरी परत के चेहरों की चमक से नहीं आंके जा सकते। असलियत तो उसके निचले पायदानों पर खड़े लोगों से ही पता चल सकती है। हर उद्योग में ये चेहरे पीछे छिपे होते हैं। किसी फ़िल्म के पिट जाने पर भी आप उसके हीरो, हीरोइन, निर्माता, निर्देशक आदि को हंसते-मुस्कुराते फ़िल्म की नाकामी या अपनी अगली फ़िल्म के बारे में मीडिया से बात करते देखते हैं। मगर ज़रूरी नहीं कि उसी फ़िल्म के निर्माण में शामिल रहे निचले स्तर के लोगों के लिए इस तरह मुस्कुराना इतना आसान हो।

कई प्रोडक्शन हाउस हैं जो दिहाड़ी वाले वर्करों या छोटे-छोटे अनुबंध वाले लोगों का पैसा, 'बस दो-चार दिन में देते हैं' कह कर वैसे भी टालते रहते हैं। और अगर फ़िल्म रिलीज़ होने तक उन्हें पैसा नहीं मिला और फ़िल्म फ़्लॉप हो गई तब तो उनका भुगतान महीनों तक खिसक सकता है। कमाल यह है कि उनका मेहनताना सबसे कम होता है, मगर सबसे ज़्यादा ख़तरा उसी पर मंडराता है। कहने को इंडस्ट्री में इन लोगों की भी तरह-तरह की एसोसिएशनें हैं जो उनके लिए लडने का दावा करती हैं। लेकिन अगर आप ढूंढने निकलें तो एक-एक करके सैंकड़ों ऐसे लोग मिल जाएंगे जिनका पैसा महीनों या सालों से लटका है या फिर जिसकी आस भी उन्होंने छोड़ दी है। मुंबई में लगभग साढ़े पांच लाख लोग फ़िल्म उद्योग से जुड़े बताए जाते हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या इन्हीं वर्गों के लोगों की है।

हमारे कई गंभीर फ़िल्म पत्रकार, जिनकी संख्या बहुत कम बची है, अक्सर शिकायत करते हैं कि इंडस्ट्री में कुछ ऐसे लोग हैं जिनकी प्रतिबद्धता फ़िल्मकारिता के प्रति नहीं है। वे अक्सर घटिया किस्म की फ़िल्में बनाते रहते हैं जो अधिकतर पिटती रहती हैं। फिर भी उनका फ़िल्म बनाना रुकता नहीं। कई बार तो संदेह होता है कि उनके पास इतना पैसा कहां से चला आ रहा है या फ़िल्में पिटने के बावजूद वे इतना पैसा क्यों खर्च किए जा रहे हैं। इनमें से कुछ लोगों के संबंध विदेशों से भी रहते हैं। वैसे यह कोई नई या आज की बात नहीं है। बिल्डर और ब्रोकर किस्म के लोग तो आज़ादी के पहले से फ़िल्म निर्माण में कूदने लगे थे और उसके बाद भी लगातार रहे हैं। हमारे यहां बनने वाली फ़िल्मों की गिनती और उनमें घटिया फ़िल्मों का प्रतिशत बढ़ाने में सबसे बड़ा हाथ इन्हीं लोगों का रहा है। मगर कोई निर्माता किसी भी पृष्ठभूमि से हो, आखिर वह कितना नुक्सान बर्दाश्त कर सकता है। एक के बाद एक फ़िल्में फ़्लॉप होती ही चली जाएं तो एक समय ऐसा आता है जब वह सबका भुगतान कर पाने की हालत में नहीं रहता। क्या वाशु भगनानी और जैकी भगनानी उसी दशा में पहुंच चुके हैं? उनके लिए काम कर चुके अनेक लोग उन पर पूरा भुगतान नहीं करने के आरोप लगा रहे हैं। 'बड़े मियां छोटे मियां' को इस साल की सबसे बड़ी फ्लॉप माना गया है। यह इन्हीं पिता-पुत्र की फ़िल्म थी जो हिंदी की सबसे महंगी फ़िल्मों में गिनी जाती है। इसे बनाने पर 350 करोड़ रुपए खर्च हुए, मगर बॉक्स ऑफ़िस पर 100 करोड़ तक पहुंचने में इसका दम फूल गया।

उसके बाद से ही भगनानी परिवार पर आरोपों का सिलसिला शुरू हो गया। निचले स्तर के वर्करों से लेकर इस फ़िल्म के निर्देशक अली अब्बास जफ़र तक ने कहा कि उनके पैसे नहीं चुकाए गए हैं। जफ़र अपने सात करोड़ रुपए बाकी बता रहे थे, पर निर्माताओं ने उलटे उन्हीं पर पैसे के घालमेल का आरोप लगा दिया और कहा कि अबू धाबी सरकार से वहां शूटिंग के लिए जो सब्सिडी मिली थी वह जफ़र ने अपने पास रख ली। फिर भगनानी नेटफ़्लिक्स पर 47 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचे। जवाब में नेटफ़्लिक्स ने कहा है कि पैसे तो हमारे वाशु भगवानी पर बकाया हैं। यह सब चल ही रहा था कि उनकी पिछली फ़िल्म 'मिशन रानीगंज' के निर्देशक टीनू देसाई ने भी बकाये की मांग उठा दी। बताया जाता है कि निचले स्तर के कई लोगों के पैंसठ लाख रुपए जैसे-तैसे चुका दिए गए। मगर तभी पता लगा कि भगनानी परिवार ने पिछले दो साल से अपने कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया है। फिर ख़बर आई कि वाशू भगनानी ने देनदारियां चुकाने के लिए अपना दफ़्तर बेच दिया है जिसे तोड़ कर अब वहां एक लग्जरी रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट बन रहा है। अपना दफ़्तर अब वे एक छोटे से फ्लैट में ले गए हैं और अपने करीब दो-तिहाई कर्मचारियों की उन्होंने छंटनी कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि 'बड़े मियां छोटे मियां' की रिलीज़ से पहले, बल्कि जनवरी से ही, उन्होंने छंटनी शुरू कर दी थी। और छंटनी का क्या है, देश भर में कोई भी कंपनी जब चाहे छंटनियां करती रहती है। उसकी मर्ज़ी। वाशु भगनानी साहब ने अपनी पत्नी पूजा के नाम से 1986 में अपनी फ़िल्म प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट बनाई थी। शुरू में इसने केवल डिस्ट्रीब्यूशन का काम किया और नौ साल बाद अपनी पहली फ़िल्म 'कुली नंबर वन' बनाई जिसमें गोविंदा थे और डेविड धवन का निर्देशन था। यह फ़िल्म चल गई तो कई साल तक वाशु भगनानी नंबर वन के पीछे पड़े रहे। मतलब उन्होंने 'हीरो नंबर वन' भी बनाई और 'बीवी नंबर वन' भी। ये फिल्में भी हिट रहीं। अपने उन्हीं अच्छे दिनों में वाशु भगनानी ने अमिताभ बच्चन और गोविंदा को लेकर 'बड़े मियां छोटे मियां' बनाई थी। उसका निर्देशन भी डेविड धवन ने किया। यह फ़िल्म 12 करोड़ में बनी थी जबकि इसने 36 करोड़ कमाए थे। इसे इस तरह समझिये कि फ़िल्म निर्माण के खर्च, स्टारों व निर्देशक इत्यादि की फीस की मौजूदा दरों के हिसाब से यह फ़िल्म आज लगभग 150 करोड़ में बनती और कम से कम 450 करोड़ कमाती।

मगर फिर भगनानी साहब के अच्छे दिन लडखड़ाने लगे। उन्होंने 'शादी नंबर वन' बना कर उन्हें संभालने की कोशिश की, पर बात ज्यादा बनी नहीं। फिर गोविंदा की तरह डेविड धवन का ज़माना भी ढलने लगा। तभी वाशु भगनानी को अपने बेटे जैकी भगनानी को हीरो बनाने की सूझी। जैकी के लिए उन्होंने, एक के बाद एक, दस फ़िल्में बनाईं जो सब की सब फ़्लॉप रहीं और जिन्हें शायद जैकी भी याद रखना पसंद नहीं करेंगे। पूजा एंटरटेनमेंट ने अब तक जिन छत्तीस फ़िल्मों का निर्माण किया है उनमें से करीब दो-तिहाई को बॉक्स ऑफ़िस पर अपनी लागत निकालने में भी दिक्कत आई। पिछले दस सालों में इस प्रोडक्शन हाउस ने एक दर्जन से ऊपर फ़िल्में बनाई हैं जिनमें से 'सरबजीत' को छोड़ लगभग सभी फ़्लॉप रही हैं। इनमें 'बेलबॉटम' भी थी जो 150 करोड़ में बनी थी और केवल 50 करोड़ निकाल सकी। और इन्हीं में 'मिशन रानीगंज' भी थी जो 55 करोड़ में बनी और इतने पैसे भी वापस नहीं ला पाई। कहा जा रहा है कि भगनानी परिवार की मुश्किलें चार साल पहले ही शुरू हो गई थीं। उन्हीं मुश्किलों के बीच उन्होंने 'गणपत' बनाई जिसका बजट 200 करोड़ था और बॉक्स ऑफ़िस पर जिसे 15 करोड़ भी नहीं मिले। और फिर वे अपनी पुरानी हिट फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' के शीर्षक को दोहराते हुए एक्शन भरी साइंस फिक्शन लाए जिसकी नाकामी ने उनका पूरा फ़िल्मी तामझाम ही उलट-पुलट कर दिया है। करीब छह महीने पहले पूजा एंटरटेनमेंट ने शाहिद कपूर को लेकर 'अश्वत्थामा' बनाने की घोषणा की थी। यह भी बड़े बजट का प्रोजेक्ट है, इसलिए और प्रोडक्शन हाउस के ताजा हालात के कारण कुछ लोग इसके पूरा होने को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। यह प्रोडक्शन हाउस जगन शक्ति के निर्देशन में टाइगर श्रॉफ को लेकर जो फिल्म बनाने जा रहा था उसे तो खैर बंद ही कर दिया गया है।

किसी स्टार की कई फ़िल्में पिट जाएं, उसके बावजूद कोई एक फ़िल्म हिट होकर उसका करियर और मार्केट बचा लेती है। मगर स्टार और प्रोडक्शन हाउस के करियर में अंतर होता है। अभिनेता अक्षय कुमार अपनी कई फ़िल्में पिटने के बाद भी कहते हैं कि 'हर नाकामी आपको कामयाबी की अहमियत बताती है और आपमें कामयाब होने की भूख बढ़ाती है।' मगर जिस प्रोडक्शन हाउस की लगातार दस फ़िल्में अपना पैसा वापस नहीं निकाल सकी हों, और जो देनदारियों के पचड़ों में फंसा हो, वह ऐसा कैसे कहे? असल में भगनानी पिता-पुत्र की मौजूदा स्थिति के विश्लेषण के कई आयाम हैं। उनमें स्टारों की बढ़ती फ़ीस भी है और स्टार जो अपने साथ लाव-लश्कर लेकर चलते हैं, उसका खर्चा भी है। इनके अलावा एक आयाम पुरानी मशहूर फ़िल्मों के रीमेक का है। उस पर फिर कभी।

सू- दोकू क्र. 103

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.102 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	6 5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

आलिया भट्ट की स्पाई थ्रिलर अल्फा की रिलीज डेट हुई अनाउंस

यशराज के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा की रिलीज डेट सामने आ गई है। आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर फिल्म अल्फा के लिए दर्शकों लंबा इंतजार करना पड़ेगा। हाल ही में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ ने कश्मीर में फिल्म का 10 दिनों का एक शेड्यूल पूरा किया था। वहीं, फिल्म के अगले शेड्यूल से पहले मेकर्स ने अल्फा की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। यशराज बैनर ने सोशल मीडिया पर फिल्म से एक पोस्टर जारी किया है। इस पर फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा हो रहा है।

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की फिल्म अल्फा 25 दिसंबर 2025 को रिलीज होने जा रही है। पहले इस तारीख को आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल स्टारर फिल्म लव एंड वॉर रिलीज होने वाली थी। लेकिन लव एंड वॉर की हाल ही में इसके डायरेक्टर संजय लीला भंसाली ने रिलीज डेट में बदलाव की जानकारी दी थी। अब लव एंड वॉर 20 मार्च 2026 को रिलीज होने जा रही है।

अल्फा के बारे में बता दें, शिव रवैल ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। फिल्म के प्रोड्यूसर यशराज बैनर के मालिक आदित्य चोपड़ा है। अल्फा एक फीमेल स्पाई यूनिवर्स फिल्म है, जो हिंदी सिनेमा के इतिहास में पहली बार बनने जा रही है। इसमें आलिया और शरवरी को मास एक्शन करते देखा जाएगा।

बता दें, आलिया भट्ट को पिछली बार फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में देखा गया था। 11 अक्टूबर को आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा रिलीज हुई है। वहीं, शरवरी वाघ ने मौजूदा साल में सुपर हॉरर फिल्म मुंज्या दी थी।

कैबिनेट मंत्री जोशी ने निर्मित होने वाली सडकों का किया भूमि पूजन

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी विधानसभा के अन्तर्गत निर्मित होने वाली सडकों का भूमि पूजन किया।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत देहरादून के राजपुर रोड़ स्थित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आवास के सामने वाली कॉलोनी में स्वीकृत लागत 6.29 लाख की लागत से तथा मुख्य राजपुर के ढाकपट्टी में लागत 7.76 लाख से सी.सी.सड़क निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने एमडीडीए के अधिकारियों को निर्माण में सामग्री की गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने और निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास नारे के ध्येय वाक्य के साथ ही आमजनमास को मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, मंडल अध्यक्ष ज्योति कोटिया, निरंजल डोभाल, आर.एस.परिहार, पार्षद भूपेंद्र कठेत, मोहित अग्रवाल, विशाल कूल्हान, दीपक अरोड़ा सहित क्षेत्र के कई लोग उपस्थित रहे।

किरायेदार व मकान मालिक के घरों के ताले तोड लाखों के जेवरात उडाये

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने किरायेदार व मकान मालिक के घरों के ताले तोड वहां से लाखों के जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जन्तु विज्ञान राजकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के प्रोफेसर मीरानगर बीस बीघा निवासी डॉ. आदेश कुमार ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह एवं उसकी पत्नी श्रीमति मंजुषा सिह कोटद्वार एवं लम्बगांव (टिहरी) में राजकीय सेवा में कार्यरत है। सात अक्टूबर 2024 की रात उसके उक्त निवास स्थान से अज्ञात चोरो द्वारा ज्वैलरी (दो मंगल सूत्र एवं अन्य) की चोरी कर ली गई है। आठ अक्टूबर 2024 की सांयकाल में चोरी की घटना का पता चला। इसी के साथ उसके किरायेदार मंयक कुमार एवं उनकी पत्नी श्रीमति प्रिया जोकि क्रमश सांख्यिकी विभाग एवं केन्द्रीय विद्यालय आईडीपीएल में कार्यरत है, आजकल बिहार (गृह राज्य) गये हुए है। उनके भी ताले तोड दिये गये है। उनका यहां की चोरी का आंकलन वे स्वंय आकर देगे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अभद्र टिप्पणी करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। दो परिवारों में मतभेद पैदा करने के लिए अभद्र टिप्पणी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अजीत नगर निवासी रोहित रावत ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह भीमावाला का मूल निवासी है उसका रिश्ता जौनसार बाबर के डांडा ग्राम निवासी के साथ रिश्ता जोड़ने की बात चल रही है, परंतु किसी शरारती व्यक्ति द्वारा उनके होने वाले रिश्ते में बाधा उत्पन्न करने के इरादे से अभद्र भाषा का इस्तेमाल करके तथा झूठी बातें लिखकर बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। जिस व्यक्ति ने भी यह हरकत की है उसके द्वारा उल्टी सीधी बातें लिखा हुआ पत्र उसके निवास स्थान नियर गुरुद्वारा चौक अजीतनगर के पते पर उसकी बहन के नाम प्रेषित किया है जो उसे डाक विभाग के माध्यम से जीपीओ देहरादून क्लॉक टावर से डालने वाले की लोकेशन का पता चल रहा है यह जानकारी विश्वस्त सूत्रों से प्राप्त हुई है कि पोस्ट करने वाला व्यक्ति करार हमन व्यास नहरी, कालसी का निवासी है। जो की एक साल पहले जिस कम्पनी में उसकी मंगेतर काम करती थी वहां पर वह व्यक्ति करार हसन काम करता था। करार हसन उसे गन्दी नजरों से देखता था और कम्पनी आते जाते उसका पीछा भी करता था। इस व्यक्ति ने यह झूठी कहानी बनाकर रिश्ता ना हो सके इसीलिए यह कहानी बनाई और पोस्ट किया है और दोनों का परिवार इस कारण भारी मानसिक स्थिति से गुजर रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मलिन बस्तियों का मालिकाना हक का कानून लागू करेः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि मलिन बस्तियों के लिए अध्यादेश नही सरकार मालिकाना हक का कानून लागू करें।

आज यहां कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कैंप कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि उत्तराखंड की मलिन बस्तियों पर उजड़ने की तलवार को राज्य की भाजपा सरकार लटकाए रखना चाहती है और ऐन चुनाव के वक्त लोगों को कोर्ट के आदेश का डर दिखा कर अध्यादेश ला कर बचाने का ढोंग रच कर वोट लेने का षडयंत्र पिछली दो निकाय चुनावों से भाजपा कर रही है और अब तीसरी बार भी जब अध्यादेश का समय पूरा हो रहा है तो सरकार बजाय कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए नियमितीकरण और मालिकाना हक देने के कानून का पालन करने के फिर से अध्यादेश अध्यादेश का खेल खेलने जा रही है जो ना तो मलिन बस्तियों के हक में है।

धस्माना प्रदेश की मलिन बस्तियों को उजड़ने से बचाने के लिए मलिन बस्ती विकास परिषद ने कांग्रेस के बैनर तले मुख्यमंत्री आवास कूच किया था तब त्रिवेंद्र सरकार पहली बार मलिन बस्तियों के बारे में अध्यादेश लाई थी जिसे दोबारा 2021 में तीन वर्षों के लिए लाया गया और अब जब 23 अक्टूबर को इस अध्यादेश का समय भी समाप्त हो रहा है तो एक बार फिर राज्य सरकार एक नया अध्यादेश लाने की तैयारी कर रही है जबकि छह वर्षों में राज्य सरकार को मलिन बस्तियों के नियमितीकरण मालिकाना हक और पुनर्वास का इंतजाम कर लेना चाहिए था परंतु भाजपा इस मुद्दे का स्थाई समाधान होने ही नहीं देना चाहती।

धस्माना ने आरोप लगाया कि मलिन बस्तियों पर हमेशा उजाड़ने का डर दिखा कर और फिर अध्यादेश ला कर बचाने का अहसान दिखा कर भाजपा मलिन बस्तियों के वोट हासिल करती है। धस्माना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा मलिन बस्तियों को नियमित करने और उनके मालिकाना हक के पक्ष में रही है और राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने पर मलिन बस्तियों को नियमित किया जाएगा और उनके निवासियों को मालिकाना हक भी दिया जाएगा।

नेताजी संघर्ष समिति ने किया बोस व राम बिहारी को याद

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने आजाद हिंद फौज के स्थापना दिवस पर नेताजी सुभाष चंद बोस व रास बिहारी बोस को याद किया।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने आजाद हिंद फौज के स्थापना दिवस पर अपने कार्यालय कांवली रोड पर एक बैठक कर नेताजी सुभाष चंद्र बोस और रास बिहारी बोस को याद किया। समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि जुलाई 1943 में सिंगापुर में नेताजी भारतीय राष्ट्रीय सेना में शामिल हुए वहां रास बिहारी बोस ने उन्हें सेना का नेतृत्व सौंप दिया था और 21 अक्टूबर 1943 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने पूर्ण रूप से आजाद हिंद फौज का गठन कर उसकी कमान संभाल ली थी। जापान में रहते हुए भारत की आजादी के लिए काम किया और अंग्रेजो के लिए बड़ी चुनौतियां खड़ी कर दी थी। जिसके कारण स्वरूप एक दिन अंग्रेजों को भारत छोड़कर भागना पड़ा और देश को आजादी मिली भारतवासी सदैव नेताजी सुभाष चंद्र बोस के ऋणी रहेंगे। इस अवसर पर प्रभात डॉरियाल, आरिफ वारसी, प्रदीप कुकरेती, इम्तियाज अहमद, दानिश नूर, संदीप गुप्ता, पारस यादव, सुशील विरवानी ,नूर नाज जय बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

महानगर की समस्याओं को लेकर कांग्रेसियों ने दिया मंत्री को ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा व पूर्व विधायक राजकुमार ने महानगर की विभिन्न समस्याओं को लेकर शहरी विकास मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल को ज्ञापन दिया।

आज यहां पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा एवं पूर्व विधायक राजकुमार ने शहरी विकास मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन प्रेषित करते हुए देहरादून महानगर की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए उनके समाधान का अनुरोध किया। शहरी विकास मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल को सौंपे ज्ञापन में पूर्व विधायक राजकुमार एवं लालचन्द शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार नगर निगमो में आउटसोर्स के माध्यम से कार्यरत कर्मियों की संख्या कम करना चाहती है। जबकि आउटसोर्स कर्मियों में ज्यादातर युवा काम कर रहे हैं और इन्हीं के माध्यम से नगर निगम के कई कार्य निष्पादित हो रहे हैं। एक तरफ राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देंने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर जो युवा नगर निगम में संविदा/आउटसोर्स के माध्यम से निम्न वेतन पर रोजगार में लगे हैं उनको छंटनी के माध्यम से रोजगार से हटाने की तैयारी की जा रही है जो कि न्याय संगत प्रतीत नहीं होता है। लालचन्द शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा देहरादून शहर में स्मार्ट सिटी के तहत किये जा रहे निर्माण कार्यो की वजह से सडकों व नालियों की स्थिति दयनीय बनी हुई है। सरकार द्वारा सड़कों में पेंच वर्क का कार्य 15 अक्टूबर तक पूर्ण किये जाने का वादा किया गया था, परन्तु पेचवर्क इतना धीमा है कि अंतिम तिथि निकलने के बाद भी काम पूरा नहीं हुआ है जिससे आम जनता को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है तथा जगह-जगह जाम की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। राजकुमार ने कहा कि आगामी नगर निगम चुनावों के दृष्टिगत वार्डों के पीरसीमन की प्रक्रिया गतिमान है, परन्तु वर्तमान में किये जा रहे नये परिसीमन से नगर निगम के वार्डों में कई इलाके इधर से उधर होने पर कई जगह वोटर लिस्ट भी गड़बड़ा गई हैं जिससे चुनावों के समय वोटरों को असमंजस की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए आगामी चुनावों के लिए किया जा रहा वार्डों का नया परिसीमन रद्द किया जाना चाहिए। पूर्व विधायक राजकुमार नें यह भी कहा की स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लंबित पड़े कार्यों में तेजी लायी जाए।

एक नजर

पीएम मोदी की शैक्षणिक योग्यता पर टिप्पणी को लेकर केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से लगा झटका

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक योग्यता के बारे में विवादित टिप्पणी करने के चलते मानहानि का आरोप झेल रहे अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने उनकी याचिका को खारिज कर दी है जस्टिस हृषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने कहा कि हम ऐसी ही समान टिप्पणी के संबंध में आप नेता संजय सिंह की इसी तरह की याचिका भी खारिज कर चुके हैं। केजरीवाल ने निचली अदालत से जारी हुए समन को चुनौती देते हुए मामले की सुनवाई पर रोक लगाने की गुहार लगाई थी। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने भी केजरीवाल की ये मांग ठुकरा दी थी। अप्रैल 2024 में सुप्रीम कोर्ट इसी मामले में आप नेता संजय सिंह की मांग भी ठुकरा चुका है। गुजरात यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार पीयूष पटेल ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह की टिप्पणियों के खिलाफ मानहानि का मामला दाखिल कर रखा है। इस पर गुजरात हाईकोर्ट ने केजरीवाल को राहत नहीं दी है। हाईकोर्ट के फैसले को केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट मे चुनौती दी है। केजरीवाल ने इसको रद्द कराने के लिए पहले हाई कोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के समन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इससे पहले संजय सिंह ने भी इस केस में राहत के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था लेकिन शीर्ष अदालत ने इसी साल अप्रैल में उनकी अर्जी खारिज कर दी थी। वहीं अब केजरीवाल की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

हॉक्स कॉल करने वाले नहीं कर पाएंगे विमान में सफर!

नई दिल्ली। पिछले एक हफ्ते में फ्लाइट में बम रखे होने की 70 से ज्यादा धमकियां मिली हैं। इन झूठी धमकियों से विमानन कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अब इन मामलों पर केंद्रीय मंत्री ने कड़ी रुख अपनाया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि विमानन कंपनियों को हॉक्स कॉल करने को अब संज्ञेय अपराध की श्रेणी में रखा जाएगा। पिछले कुछ समय से कई विमानन कंपनियों को विमान में बम रखे होने की इस तरह की झूठी फोन कॉल की गई है, जिसके बाद यह कदम उठाया जा रहा है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसे बेहद संवेदनशील स्थिति बताते हुए कहा कि इस तरह की हॉक्स कॉल करने वालों को विमानन कंपनियों की नो फ्लाई लिस्ट में रखा जाएगा। नायडू ने कहा कि हमें बार-बार इस तरह की हॉक्स कॉल मिल रही हैं। इस मामले को लेकर हमने कई बैठकें की हैं। हमने हर स्तर पर मीटिंग की है। इन बैठकों के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि हमें नियमों में संशोधन की जरूरत है।

'कश्मीर पाकिस्तान नहीं बनेगा, नहीं बनेगा, नहीं बनेगा'

जम्मू। जम्मू कश्मीर के गांदरबल में रविवार को हुए आतंकी हमले मे सात लोगों की मौत हुई है। इस आतंकी हमले के बाद जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान की जमकर आलोचना की। फारूक अब्दुल्ला ने गांदरबल आतंकी हमले पर कहा कि ये बहुत ही दर्दनाक वाकया है। कई गरीब मजदूर जो अपनी कमाई के लिए कश्मीर आते हैं। उन बेचारों को इन दरिंदों ने कल शहीद कर दिया। इसके साथ ही हमारे एक डॉक्टर साहब जो लोगों की खिदमत करते हैं, वो भी अपनी जान खो बैठे। अब बताइए, मुझे कि इन दरिंदों को मिलेगा क्या? क्या वो समझते हैं कि इससे यहां पाकिस्तान बनेगा? फारूक ने कहा कि हम कई सालों से देख रहे हैं कि वे लोग यहां आ रहे हैं। हम कोशिश कर रहे हैं कि ये मामला खत्म हो। हम लोग आगे बढ़ें। हम मुश्किल हालातों से निकल सकें। मैं पाकिस्तान के हुक्मरानों से कहना चाहता हूं कि अगर वे सचमुच हिंदुस्तान से दोस्ती चाहते हैं तो ये बंद कीजिए। कश्मीर, पाकिस्तान नहीं बनेगा। नहीं बनेगा, नहीं बनेगा। उन्होंने कहा कि हमें मेहरबानी करके इज्जत से रहने दीजिए, तरक्की करने दीजिए। कब तक आप हमले करते रहेंगे? 1947 से आपने शुरू किया। बेगुनाहों को मरवाया। क्या पाकिस्तान बना? जब ये 75 साल में पाकिस्तान नहीं बना तो आज कैसे बनेगा।

मुख्यमंत्री ने लालकुआं-बांद्रा सुपरफास्ट ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी ने वर्चुअल माध्यम से लालकुआं-बांद्रा सुपरफास्ट ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से लालकुआं-बांद्रा सुपरफास्ट ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा कैंची धाम के आशीर्वाद से आज लालकुंआ से बांद्र के मध्य ट्रेन संचालन का स्वप्न पूरा हुआ है।। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन के संचालन से रामपुर, मुरादाबाद, गाजियाबाद, हजरत निजामुदीन, मथुरा, सवाई माधोपुर, कोटा, वडोदरा सूरत जैसे रेलवे स्टेशन से जुड़े लोगों को यात्रा करने का आसानी से विकल्प मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लालकुआं-बांद्रा रेल सेवा शुरू होने से बाबा कैंची धाम, जागेश्वर और अन्य धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यात्रा का एक बेहतर विकल्प मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम भारतीय रेल के स्वर्णिम युग की ओर आगे बढ़ रहे हैं। आत्मनिर्भरता और आधुनिकता के प्रतीक के रूप में वंदेभारत जैसी मेड इन इंडिया ट्रेन, रेल नेटवर्क का हिस्सा बनी हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड से काशी, अयोध्या और अन्य प्रमुख शहरों के लिए रेल सेवा के और विस्तार के लिए प्रयास किये जायेंगे। आज हमारी डबल इंजन की सरकार प्रदेश के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए अनेक योजनाओं को धरातल पर उतार रही है। प्रदेश की देवतुल्य जनता के सहयोग से उत्तराखण्ड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार हर क्षेत्र में तेजी से कार्य कर रही है। सांसद अजय भट्ट ने कहा कि यहां के लोगों की यह बहुत पुरानी मांग थी कि लालकुआं से मुंबई को सीधे रेल सेवा सुचारू हो, जो आज पूर्ण हुई है। इसके रेल सेवा के संचालन से पूरे कुमाऊं क्षेत्र के लोगों के साथ ही यहां के विभिन्न धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के दर्शनार्थियों व पर्यटकों को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब सप्ताह में तीन रेल गाड़ियां रामनगर, हल्द्वानी और अब लालकुआं से मुम्बई के लिए जा रही हैं, जिसका लाभ यहां के पर्यटक क्षेत्रों को भी मिलेगा। इस अवसर पर विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, पूर्व विधायक नवीन दुमका, जिलाध्यक्ष प्रदीप बिष्ट, दीप कोश्यारी और डी.आर.एम श्रीमती रेखा यादव उपस्थित थे।

महिला के हाथ से लूटा हजारों रुपये से भरा पर्स

संवाददाता

देहरादून। युवक ने महिला के हाथ से हजारों रूपये से भरा पर्स लूट लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ढालवाला मुनि की रेती निवासी देवाकर प्रसाद ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पत्नी बाजार गयी थी जब वह त्रिवेणी घाट पर पहुंची तो एक युवक उसके पास आया और उसके हाथ से पर्स लूटकर भाग गया। उसकी पत्नी ने शोर भी मचाया लेकिन तब लूटेरा आंखो से ओझल हो गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बिजनेस एप से निकाले 36 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। हरियाणा के ठग ने बिजनेस एप से 36 हजार रूपये निकाल लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगानगर निवासी आशीष कुमार झाम्ब ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी फर्म का सीसी खाता एसबीआई रेलवे रोड, ऋषिकेश में है। उसके योनो एसबीआई बिजनेस ऐप से 36 हजार रूपये किसी जयदेव नाम के व्यक्ति जो कि सिवानी (भिवानी), हरियाणा का निवासी है, ने अपने खाते एक्सिस बैंक भिवानी में फिर्जी तरीके से ट्रांसफर कर ली थी, जिसकी केवाईसी व बैंक डिटेल संलग्न है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हथियारों के सौदागर गिरफ्तार, तमंचा बन्दूक व कारतूस बरामद

हमारे संवाददाता

नैनीताल। अवैध हथियारों के दो सौदागरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से तमंचा, बन्दूक व कारतूस बरामद हुए है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना मुखानी पुलिस व एसओजी को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ हथियारों के सौदागर अवैध हथियारों की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसओजी की टीम ने क्षेत्र में संयुक्त चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान संयुक्त टीम को बावनडाट नाला, बसानी रोड थाना मुखानी के पास एक संदिग्ध कार आती हुई दिखायी दी। टीम ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो कार सवार दो लोग कार छोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। कार की तलाशी के दौरान उसमें रखा तमंचा, बन्दूक व चार कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में उन्होने अपना नाम अनिल सिंह (29) पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी निकट आदित्य बैरेंट हाल कुसुमखेड़ा व सर्वेश कुमार (24) पुत्र लाल सिंह निवासी गैस गोदाम रोड़ कुसुमखेड़ा मुखानी बताया। बताया कि हम अवैध हथियार बेचने का काम करते हैं। उधमसिंह नगर एवं उ.प्र. के कुछ क्षेत्रों से अवैध हथियारों को लाकर नैनीताल जनपद में बेचते हैं। पुलिस के अनुसार मामले में कुछ आरोपियों का राजनैतिक पार्टी से भी कनैक्शन जुड़ा होना भी संज्ञान में आया है मामले की जॉच कर रही है और कड़ी कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

सार्वजनिक सूचना

मेरी पुत्री भवदीप कौर के हाई स्कूल और बारवीं कक्षा की अंक तालिका में मेरा नाम MAHANDER PAL SINGH दर्ज है, जो सही नहीं है। मेरा सही नाम MAHENDER PAL SINGH है जिसे मेरी पुत्री के सभी दस्तावेजों में मेरा यही नाम जाना पहचाना व लिखा जाये।

महेन्द्र पाल सिंह
पुत्र श्री संतोख सिंह निवासी हाउस नम्बर-37, ईश्वर विहार, फेज-1 सुन्दरवाला रायपुर रोड देहरादून।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।